ये अव्यक्त इशारे

मधुरता का गुण धारण कर मधुसूदन का नाम बाला करो

4-02-2024

ईश्वरीय परिवार में आई हुई हर आत्मा में कोई न कोई विशेषता अवश्य होती है। अपनी विशेषता को जानकर उन्हें कार्य में लगाओ। मधुरता का गुण, स्नेह का गुण जो भी स्वयं में हैं उसे कार्य में लगाओ तो दूसरे सब गुण सहज आते जायेंगे। जैसे लोहा पारस से लगकर पारस बन जाता है वैसे आपका संग कड़ुवे को भी मीठा बना दे।

Inculcate the virtue of sweetness and love in your life and all other virtues will easily come.

Each soul who has come into the Godly family has one speciality or another. Know your speciality and use it. Whatever virtues you have – the virtue of sweetness, the virtue of love – use it and all other virtues will come easily. Just as iron becomes like gold when it touches the alchemist's stone, in the same way, your company will make someone bitter, sweet.